हॉलैंड का छोटा हीरो

विलियम बार्नेट

यह एक बहादुर लड़के की सच्ची कहानी है, जिसने एक जरूरी काम को पूरा किया और तमाम तकलीफों के बावजूद उसे अधूरा नहीं छोड़ा.

हॉलैंड एक ऐसा देश है जहां की अधिकांश भूमि समुद्र तल से नीचे है. केवल बड़ी दीवारें जिन्हें "डाइक" कहा जाता है, उत्तरी समुद्र के पानी को ज़मीन पर घुसने से रोकती हैं और देश को बाढ़ से बचाती हैं. सदियों से हॉलैंड के लोगों ने इन दीवारों को मजबूत रखने का काम किया है ताकि उनका देश सुरक्षित और सूखा रह सके. यहां तक कि छोटे बच्चे भी जानते हैं कि हर पल उन्हें "डाइक" पर निगाह रखनी चाहिए. बच्चे यह भी जानते हैं कि "डाइक" में उंगली जितना छेद भी बहुत खतरनाक सिद्ध हो सकता है.
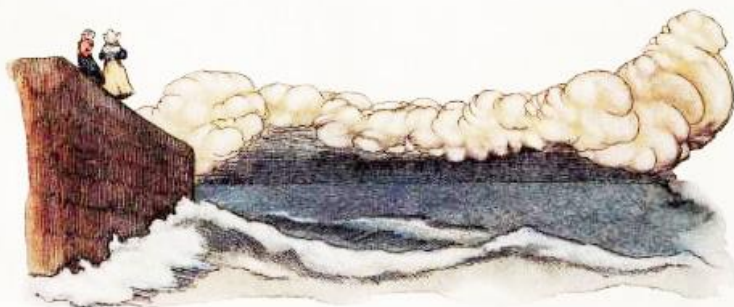
कई साल पहले, हॉलैंड में पीटर नाम का एक लड़का रहता था. पीटर के पिता उन लोगों में से एक थे, जो घाटों में फाटक (गेट्स) की देखभाल करते थे, जिन्हें "स्लुइस" कहा जाता था. वो "स्लुइस" गेट्स को खोलते और बंद करते थे ताकि हॉलैंड के पानी के जहाज़, नहरों से निकलकर बड़े समुद्र में जा सकें.

पतझड़ में एक दोपहर, जब पीटर आठ साल का था, तो उसकी मां ने उसे बुलाया. "पीटर," उसकी माँ ने कहा. "मैं चाहती हूं कि तुम अपने नेत्रहीन दोस्त को जो "डाइक" के पार रहता है के लिए यह केक लेकर जाओ. यदि तुम तेज़ी से जाते हो और रास्ते में खेलते नहीं हो तो फिर तुम अंधेरा होने से पहले ही घर वापिस आ जाओगे."

छोटा लड़का वो काम करने में खुश था. पीटर फटाफट उस गरीब नेत्रहीन आदमी के घर पहुंचा. पीटर उसके पास थोड़ी देर रुका और उसने उसे समुद्र के किनारे अपने अनुभवों के बारे में और सूरज, फूलों और समुद्र में दूर खड़े जहाजों के बारे में बताया. फिर उसे अपनी माँ की बात याद आई कि उसे अंधेरा होने से पहले घर लौटना था. फिर पीटर ने अपने दोस्त से अलविदा कहा और घर की ओर वापिस निकल पड़ा.

जब वो "डाइक" के किनारे चल रहा था, तब उसने देखा कि तेज़ बारिश के कारण समुद्र का पानी एकदम उफान पर था, और पानी की लहरें बांध के किनारों से लगातार टकरा रही थीं. फिर उसने अपने पिता के "स्लुइस" गेट्स के बारे में सोचा.

"मुझे खुशी है कि यह "डाइक" इतने मजबूत हैं," उसने खुद से कहा. "अगर वे टूट जाते तो हमारा क्या होता? हमारे सुंदर खेत पानी में डूब जाते. पिता हमेशा उसे 'गुस्सैल पानी' कहते हैं. मुझे लगता है कि पानी को इतने लंबे समय तक बाहर रखने के कारण ही वो लोगों से नाराज़ है."

जैसे-जैसे वो आगे चला वो कभी-कभी सड़क के किनारे उगने वाले सुंदर नीले फूलों को तोड़ने के लिए या फिर खरगोशों के दौड़ने की आवाज़ को सुनने के लिए रुक जाता था क्योंकि वे घास में सरसराहट करते हुए दौड़ते थे. लेकिन जब उसने उस गरीब अंधे आदमी के घर की यात्रा के बारे में सोचा, तो वो मुस्कुराया. उस व्यक्ति के पास बहुत कम सुख-साधन थे और वो हमेशा पीटर को देखकर बहुत खुश होता था.
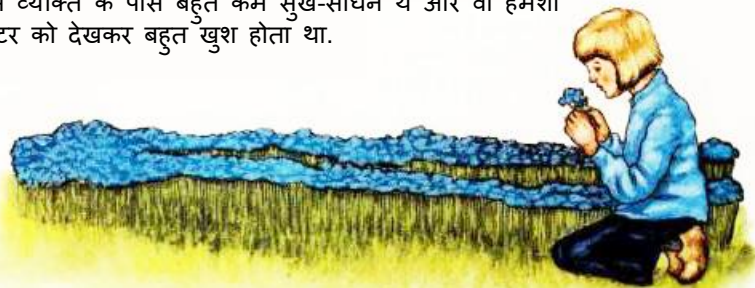
अचानक पीटर ने देखा कि सूरज डूब रहा था, और अंधेरा होने लगा था. "माँ मेरी राह देख रही होंगी," उसने सोचा, और फिर वो घर की ओर दौड़ने लगा.

तभी पीटर को एक शोर सुनाई दिया. वो बहते पानी की आवाज थी! वो रुका और उसने नीचे देखा. "डाइक" में एक छोटा सा छेद था, जिसमें से एक पानी की छोटी सी धार बह रही थी.

हॉलैंड में हर कोई बच्चा डाइक में रिसाव के विचार से भयभीत हो जाता है.

पीटर तुरंत खतरे को समझ गया. यदि पानी एक छोटे से छेद से होकर बहेगा, तो जल्द ही वो छेद बड़ा हो जाएगा और फिर उससे पूरे देश में बाढ़ आ जाएगी. एक पल में उसे समझ में आ गया कि उसे क्या करना चाहिए. उसने अपने फूलों को एक ओर फेंका और फिर वो "डाइक" की किनार पर चढ़ गया और उसने अपनी उंगली उस छोटे से छेद में घुसा दी.

उससे पानी का बहना रुक गया!

"अरे!!" उसने खुद से कहा. "क्रोधित पानी को अंदर नहीं आना चाहिए. मैं पानी को अपनी उंगली द्वारा अंदर आने से रोक सकता हूं. जब तक मैं यहां हूं मैं हॉलैंड को डूबने नहीं दूंगा."

पहले तो सब ठीक लगा, लेकिन जल्द ही वहां अंधेरा होने लगा. धीरे-धीरे हवा ठंडी होने लगी. छोटा पीटर चिल्लाया और चिल्लाया. "यहाँ आओ! मेरी मदद करो," उसने पुकारा. लेकिन किसी ने उसकी आवाज़ नहीं सुनी. कोई भी उसकी मदद के लिए नहीं आया.

धीरे-धीरे रात और ठंडी होती गई, और उसके हाथ में दर्द होने लगा. उसका हाथ जकड़कर सुन्न हो गया. वो दुबारा चिल्लाया, "क्या कोई नहीं आएगा? माँ! माँ!"

उसकी माँ ने अपने छोटे बेटे के लिए सूर्यास्त के बाद से कई बार "डाइक" पर उत्सुकता से देखा, फिर उसके बाद उन्होंने अपने घर कर दरवाजा बंद कर लिया, यह सोचकर कि पीटर शायद अपने अंधे दोस्त के साथ ही रात बिता रहा होगा, और वो सुबह को उसे डांटेगी कि उनकी अनुमति के बिना वो घर से दूर क्यों रहा.

पीटर ने सीटी बजाने की कोशिश की, लेकिन उसके दांत, ठंड से किटकिटाने लगे. उसने अपने भाई और बहन के गर्म बिस्तरों, और अपने प्रिय पिता और माता के बारे में भी सोचा. "मैं उन्हें डूबने नहीं दूंगा," उसने कहा. "मैं आज पूरी रात यहाँ रुकूंगा और जब तक मदद नहीं आती मैं तब तक यहाँ से नहीं हिलूंगा."

चाँद और सितारों ने समुद्र के किनारे एक पत्थर पर झुके बच्चे को बैठे देखा. उसका सिर झुका हुआ था, और उसकी आँखें बंद थीं, लेकिन वो सो नहीं रहा था, वो बार-बार अपने हाथ को रगड़ता था, उसे सहलाता था जो "गुस्सैल पानी" को अंदर घुसने से रोके हुए था.

"मैं किसी तरह इस मुश्किल को सहूंगा," उसने सोचा. इसलिए, वो रात भर वहीं खड़ा रहा और उसने पानी को बाहर रखा.

अगले दिन सुबह-सुबह काम पर जाने वाले एक आदमी को किसी की कराहट सुनाई दी. किनारे की ओर देखने पर उसने देखा कि एक बच्चा बड़ी "डाइक" के किनारे से चिपका हुआ था.

"क्या बात है?" वो आदमी चिल्लाया. "क्या तुम्हें कोई चोट लगी है?"

"मैंने पानी को अंदर आने से रोका है!" पीटर चिल्लाया. "जल्दी से मदद के लिए अन्य लोगों को बुलाओ!"
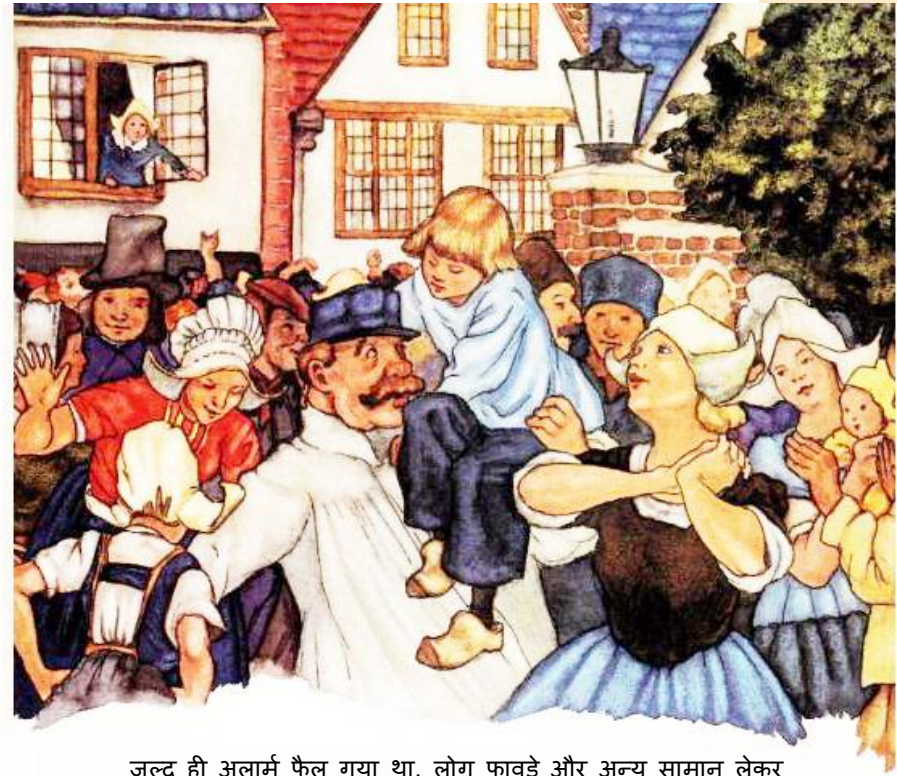
जल्द ही अलार्म फैल गया था. लोग फावड़े और अन्य सामान लेकर दौड़े चले आए, और जल्द ही उन्होंने छेद को ठीक कर दिया.

फिर वे लोग पीटर को अपने कंधों पर उठाकर उसके माता-पिता के घर ले गए, और जल्द ही पूरा शहर जान गया कि पीटर ने उस रात कैसे उनकी जान बचाई थी. आज तक, वे लोग, हॉलैंड के उस बहादुर छोटे हीरो को नहीं भूले हैं.

समाप्त